GSEB Std 9 Hindi Textbook Solutions Chapter 22 वीरों का कैसा हो वसन्त?

Std 9 GSEB Hindi Solutions वीरों का कैसा हो वसन्त? Textbook Questions and Answers

स्वाध्याय

एक-एक वाक्य में उत्तर दीजिए :

प्रश्न 1. बार-बार कौन गरजता है?
उत्तर :
बार-बार समुद्र गरजता है।

प्रश्न 2. प्रकृति के तत्त्व क्या पूछ रहे हैं.?
उत्तर :
प्रकृति के तत्त्व पूछ रहे हैं कि वीरों का बसन्त कैसा होना चाहिए।

प्रश्न 3. बधु-वसुधा में क्या परिवर्तन आया?
उत्तर :
वसुधारूपी - वधू का अंग-अंग पुलकित हुआ है।

प्रश्न 4. कवयित्री कुरुक्षेत्र से क्या कहते हैं?
उत्तर :
कवि कुरुक्षेत्र से कहते हैं कि तुम जागकर देशवासियों को अपने अनन्त अनुभवों के बारे में बताओ।

प्रश्न 5. कवयित्री की कलम की क्या विशेषता है?
उत्तर :
कवि की कलम की यह विवशता है कि वीरों का वसन्त कैसा हो, यह कुछ खुलकर लिखने की उसे अनुमति नहीं है।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

प्रश्न 1. वीरों का कैसा है वसन्त? ऐसा कौन-कौन पूछ रहे है?
उत्तर :
'वीरों का कैसा हो वसन्त ?' ऐसा हिमालय पर्वत, सागर, पूर्व-पश्चिम दिशाएँ, पृथ्वी और आकाश तथा क्षितिज भी यही प्रश्न पूछ रहे हैं।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रश्न 2. 'कह दे अतीत अब मौन त्याग' ऐसा कवयित्रीने क्यों कहा है?
उत्तर :
देश के इतिहास में वीरता और पराक्रम दिखानेवाले अनेक शूरवीर हो गए हैं। इनसे हम अपनी स्वाधीनता और गौरव की रक्षा के लिए बलिदान देने का पाठ सीखते हैं। इसलिए कवयित्री ने 'कह दे अतीत अब मौन त्याग' ऐसा कहा है।

प्रश्न 3. किन ऐतिहासिक घटनाओं के आधार पर कवयित्रीने 'वीरों का वसन्त' बताया है?
उत्तर :
हनुमान द्वारा लंका को जलाना (लंकादहन), कुरुक्षेत्र में महाभारत युद्ध, हल्दी-घाटी में राणा प्रताप तथा सम्राट अकबर का युद्ध, तानाजी द्वारा सिंहगढ़-विजय ये हमारे इतिहास की बहुत प्रेरक घटनाएं हैं। इन्हीं के आधार पर कवयित्री ने 'वीरों का वसन्त कैसा हो' यह बताया है।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए :

प्रश्न 1. "वीरों का कैसा है वसन्त-" इस पंक्ति को अपने शब्दों में कविता के आधार पर समझाइए।
उत्तर :
वसन्त ऋतु चारों तरफ बिखरे अपने प्राकृतिक सौन्दर्य के कारण सबसे सुन्दर ऋतु मानी जाती है। सुन्दर, सुगंधित और रंग-रंग के फूल, भौरों का गुंजन, रंग-बिरंगी उड़ती तितलियाँ और सुहावनी हवा इस ऋतु की विशेषताएं हैं। परन्तु यह वीरों का वसन्त नहीं है। वीरों का बसन्त वह है, जिसमें स्वतंत्रता और स्वाभिमान के लिए संघर्ष होता है। वीरों का वसन्त वह है, जिसमें अन्याय और अधर्म का नाश करने के लिए शूरवीर हंसते-हंसते अपना बलिदान देते हैं।

प्रश्न 2. हल्दी-घाटी और सिंह-गढ़ से कवि का क्या तात्पर्य है?
उत्तर :
मुगल सम्राट अकबर अनेक राजपूत राजाओं को अपने अधीन करना चाहता था, परन्तु सफल नहीं हुआ। महाराणा प्रताप अपनी स्वाधीनता गवाने के लिए तैयार नहीं हुए। अंत में हल्दी-घाटी के मैदान में अकबर और राणा प्रताप की सेनाओं में भयंकर युद्ध हुआ। इसी प्रकार सिंहगढ़ भी मुसलमान शासक के अधीन था। उस पर अधिकार करने के लिए शिवाजी महाराज के वीर सरदार तानाजी ने उस पर आक्रमण किया। कड़ी टक्कर के बाद सिंहगढ़ हाथ में आ गया, पर अद्भुत वीरता दिखाते हुए तानाजी मालसुरे शहीद हो गए। कवयित्री कहना चाहती है कि हल्दी-घाटी और सिंहगढ़ के संघर्ष बताते हैं कि वीरों का वसन्त कैसा होना चाहिए।

प्रश्न 3. "है कलम बँधी स्वच्छन्द नहीं"- ससंदर्भ समजाइए।
उत्तर :
'वीरों का कैसा हो वसन्त?' यह कविता तब लिखी गई थी जब देश पर अंग्रेजों का शासन था।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

अंग्रेजी सत्ता ने देश में दमनचक्र चला रखा था। उस समय अंग्रेजों के अन्याय के विरुद्ध लिखना अपराध माना जाता था। ऐसा लिखनेवालों को कड़ी सजा दी जाती थी। उनकी रचनाएँ जप्त कर ली जाती थी। उसी संदर्भ में कवयित्री लिखती है कि मेरे लिखने पर पाबंदी है। मैं चाहूँ तो भी कुछ खुलकर लिख नहीं सकती।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in